



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .

दिनांक

6-4-25

पृष्ठ संख्या

2

कॉलम

2-4

# The Tribune

## Hisar agri varsity's Bawal research station gets award

**TRIBUNE NEWS SERVICE**

**HISAR, APRIL 5**

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University's Bawal Regional Research Station in Rewari district has been awarded the Best Volunteer Centre Award for its contributions to groundnut research.

Vice-Chancellor BR Kamboj has congratulated scientists of regional research station for the achievement.

The VC said the scientists

of the station were awarded the honour for developing an improved variety of groundnut GNH 804.

The variety gave more yield and oil content and would prove beneficial to farmers of oilseed producing states, he added. He asked scientists to continue such quality research.

Regional Director (RRS-Bawal) Dharambir Yadav said the award was conferred on the centre for its work on the improved variety of peanut GNH 804, making recommen-

dations related to nutrients in agronomy at the national level, setting up front-line demonstrations of peanut, training farmers and extension workers and promoting peanut cultivation in the area.

Director (Research) Rajbir Garg, Regional Director Dharambir Yadav and scientists researching peanut — Dr Ashok Kumar Dahiwal, Dr Amarjeet — and Plant Breeding Department head Gajraj Dahiya contributed to the research.



Vice-Chancellor BR Kamboj with scientists of the Bawal Regional Research Station.



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरूका १० अप्रैल २०२३	६. ५. २५	३	१-६

## मूँगफली में शोध के लिए बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

जगरण संवाददाता • हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल (रेवाड़ी) को मूँगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वालांटियर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के विज्ञानियों को बधाई दी है।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मूँगफली की उन्नत किस्म जीएनएच 804 विकसित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिह्नित की गई है। यह किस्म पैदावार व तेल की मात्रा अधिक देने वाली है। उपरोक्त किस्म तिलहन उत्पादकता वाले राज्यों के किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी।



हक्की के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज विज्ञानियों के साथ • विज्ञापि

उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि भविष्य में भी इसी प्रंकार के गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखें। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के क्षेत्रीय निदेशक डा. धर्मबीर यादव ने बताया कि यह पुरस्कार मूँगफली की राज्य स्तरीय उन्नत किस्म जीएनएच 804 के अलावा सर्व विज्ञान में पोषक तत्वों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर सिफारिश करने, मूँगफली के अग्रिम

पंक्ति प्रदर्शन लगाने, किसानों व विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस क्षेत्र में मूँगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है। मूँगफली के लिए किए गए अनुसंधान कार्य में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डा. धर्मबीर यादव, मूँगफली पर कार्य कर रहे विज्ञानी डा. अशोक कुमार

डहिनवाल, डा. अमरजीत व पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डा. गजराज दहिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर कुलसचिव डा. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश यादव, ओएसडी डा. अतुल ढांगड़ा, एसवीसी कपिल अरोड़ा, मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य व तिलहन अनुभाग अध्यक्ष डा. रामावतार उपस्थित थे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाप्तार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिन के लिए	६-६-२५	४	६-८

**मूँगफली के अनुसंधान एवं विकास में बेहतर योगदान**

## हकृति के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

हिसार, 5 अप्रैल (छपा)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल (रेवाड़ी) को मूँगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वार्लंटियर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल के वैज्ञानिकों को बधाई दी है।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मूँगफली की उन्नत किस्म जीएनएच 804 विकसित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिन्हित की गई है। यह किस्म पैदावार व तेल की मात्रा अधिक देने वाली है। उपरोक्त किस्म तिलहन उत्पादकता वाले राज्यों के किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने वैज्ञानिकों से



हिसार स्थित हकृति में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज वैज्ञानिकों के साथ। हप कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार के गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखें। क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव ने बताया कि यह पुरस्कार मूँगफली की राज्य स्तरीय उन्नत किस्म जीएनएच 804 के अलावा सस्य विज्ञान में पोषक तत्वों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर सिफारिश करने, मूँगफली के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन लगाने, किसानों व विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस क्षेत्र में मूँगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है।

मूँगफली के लिए गए

अनुसंधान कार्य में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव, मूँगफली पर कार्य कर रहे वैज्ञानिक डॉ. अंशोक कुमार डहिनवाल, डॉ. अमरजीत व पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव और सड़ी डॉ. अतुल ढांगड़ा, एसवीसी कपिल अरोड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व तिलहन अनुभाग अध्यक्ष डॉ. रामावतार उपस्थित थे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१ अगस्त २०२५	७-८-२५	५	५०

## हकृति के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार



राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर टीम के साथ कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

भारतरन्ध्र | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल को मूँगफली में उत्कृष्ट अनुसंधान और विकास कार्यों के लिए सर्वश्रेष्ठ वालंटियर केन्द्र पुरस्कार मिला है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि पर बधाई दी। प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया यह पुरस्कार मूँगफली की उत्तम किस्म जीएनएच 804 विकसित करने पर मिला है। यह किस्म हरियाणा के लिए चिह्नित की गई है। इसमें पैदावार और तेल की मात्रा अधिक है। क्षेत्रीय निदेशक डॉ.

धर्मबीर यादव ने बताया यह पुरस्कार केवल जीएनएच 804 किस्म के लिए नहीं, बल्कि सस्य विज्ञान में पोषक तत्वों से जुड़ी राष्ट्रीय सिफारिशों, मूँगफली के अग्रिम पर्याप्त प्रदर्शन, किसानों और विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण और क्षेत्र में मूँगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए भी दिया गया है। इस अनुसंधान कार्य में अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव, वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार डहिनवाल, डॉ. अमरजीत और पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया का अहम योगदान रहा।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दीर्घ भूमि	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
		६-५-२५	१	१६

सरहनीय कदम हक्किवि के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

कुलपति ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल के वैज्ञानिकों को बधाई

हरिभूमि न्यूज़ || हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल (रेवाड़ी) को मूँगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ बालंटियर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मूँगफली की उन्नत किस्म



हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज वैज्ञानिकों के साथ।

फोटो: हरिभूमि

जीएनएच 804 विकसित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार

दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिह्नित की गई है। क्षेत्रीय

अनुसंधान केन्द्र बावल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव ने

अनुसंधान में इनका प्रश়ঁসনিক योगदান।

मूँगफली के लिए किए गए अनुसंधान कार्य में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव, मूँगफली पर कार्य कर रहे वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार डहिनवाल, डॉ. अमरजीत व पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव और एसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, एसवीसी कपिल अरोड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व तिलहन अनुभाग अध्यक्ष डॉ. रामावतार उपस्थित थे।

बताया कि यह पुरस्कार मूँगफली की अग्रिम पक्कित प्रदर्शन राज्य स्तरीय उन्नत किस्म लगाने, किसानों व विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस क्षेत्र में मूँगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभी ३५। ता	६.५.२५	३	३-५

## एचएयू के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल (रेवाड़ी) को मूँगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वालंटियर केंद्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के वैज्ञानिकों को बधाई दी है।

कुलपति ने बताया कि मूँगफली की उन्नत किस्म जीएनएच 804 विकसित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिह्नित की गई है। यह किस्म पैदावार व तेल की मात्रा अधिक देने वाली है। उपरोक्त किस्म तिलहन

उत्पादकता वाले राज्यों के किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। अनुसंधान केंद्र बावल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव ने बताया कि यह पुरस्कार मूँगफली की राज्य स्तरीय उन्नत किस्म जीएनएच 804 के अलावा सस्य विज्ञान में पोषक तत्वों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर सिफारिश करने, मूँगफली के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन लगाने, किसानों व विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस क्षेत्र में मूँगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है।

अनुसंधान कार्य में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव, मूँगफली पर कार्य कर रहे वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार डहिनबाल, डॉ. अमरजीत व पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब के सरी	६.५.२५	५	१-२

## हकूमि के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज वैज्ञानिकों के साथ।

हिसार, ५ अप्रैल (ब्यूरो): अनुसंधान केन्द्र बावल के क्षेत्रीय विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल (रेवाड़ी) को मूँगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वालांठियर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि मूँगफली की उन्नत किस्म जी.एन.एच ८०४ विकसित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिन्हित की गई है। यह किस्म पैदावार व तेल की मात्रा अधिक देने वाली है। उपरोक्त किस्म तिलहन उत्पादकता वाले राज्यों के किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव ने बताया कि यह पुरस्कार मूँगफली की राज्य स्तरीय उन्नत किस्म जी.एन.एच ८०४ के अलावा सभ्य विज्ञान में पोषक तत्वों से सम्बन्धित राष्ट्रीय स्तर पर सिफारिश करने, मूँगफली के अग्रिम पर्याप्त प्रदर्शन लगाने, किसानों व विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस क्षेत्र में मूँगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है। मूँगफली के लिए किए गए अनुसंधान कार्य में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव, मूँगफली पर कार्य कर रहे वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार डिहनवाल, डॉ. अमरजीत व पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाज/२	६ - ५.२५	५	५ - ६

## हक्कि के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

हिसार, 5 अप्रैल (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल (रेवाड़ी) को मूँगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वालंटियर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के

लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मूँगफली की ऊत किस्म जीएनएच 804 विकसित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिह्नित की गई है। यह किस्म पैदावार व तेल की मात्रा अधिक देने वाली है। उपरोक्त किस्म

तिलहन उत्पादकता वाले राज्यों के किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, एसवीसी कपिल अरोड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व तिलहन अनुभाग अध्यक्ष डॉ रामावतार उपस्थित थे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
डेमोक्रेटिक फँट	05.04.25	--	--

## हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार



### मूँगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में केन्द्र का एहा बेहतर योगदान

डेमोक्रेटिक फँट हिसार/पवन सैनी. चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल (रेवाड़ी) को मूँगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वालंटियर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जी. आर. काम्पोज ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। कुलपति प्रो. काम्पोज ने

बताया कि मूँगफली की उत्तर किस्म जीएनएच 804 विकसित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया था, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिन्हित की गई है। यह किस्म पैदावार व तेल की मात्रा अधिक देने वाली है। उपरोक्त किस्म तिलहन उत्पादकता वाले राज्यों के किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार के गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखें। क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव ने बताया कि यह पुरस्कार मूँगफली की राज्य स्तरीय उत्तर किस्म जीएनएच 804 के अलावा सस्य विज्ञान में पोषक तत्वों से सम्बन्धित राष्ट्रीय स्तर पर सिफारिश करने, मूँगफली के अग्रिम पर्याप्त प्रदर्शन लगाने, किसानों व विस्तार

कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस क्षेत्र में मूँगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है। मूँगफली के लिए किए गए अनुसंधान कार्य में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव, मूँगफली पर कार्य कर रहे वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार डिहिनवाल, डॉ. अमरजीत व पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गंगराज दहिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव और एसडी डॉ. अतुल दींगड़ी, एसवीसी कपिल अरोड़ा, मीडिया एडवाइज़र डॉ. संदीप आर्य व तिलहन अनुभाग अध्यक्ष डॉ. रामावतार उपस्थित थे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

सिटी पल्स न्यूज

दिनांक

05.04.25

पृष्ठ संख्या

--

कॉलम

--

# हकृति के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बाबल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बाबल (रेवाड़ी) को मूँगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वालटियर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बाबल के वैज्ञानिकों को बधाई दी है।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मूँगफली की उन्नत किस्म जीएनएच 804 विकसित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिन्हित की गई है। यह किस्म पैदावार व तेल की मात्रा अधिक देने वाली है। उपरोक्त किस्म तिलहन उत्पादकता वाले राज्यों के किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज वैज्ञानिकों के साथ

वैज्ञानिकों से कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार के गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखें।

क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बाबल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव ने बताया कि यह पुरस्कार मूँगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य स्तरीय उन्नत किस्म जीएनएच 804 के अलावा सस्य विज्ञान में

पोषक तत्वों से सम्बन्धित राष्ट्रीय स्तर पर सिफारिश करने, मूँगफली के अग्रिम पौर्ति प्रदर्शन लगाने, किसानों व विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस क्षेत्र में मूँगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है। मूँगफली के लिए किए गए अनुसंधान कार्य में

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गण, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव, मूँगफली पर कार्य कर रहे वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार डहिनवाल, डॉ. अमरजीत व पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज़	05.04.25	--	--

## हृषि के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बाबल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

जगमार्ग न्यूज़

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय



अनुसंधान केन्द्र बाबल (खेड़ी) को मूगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ खालटियर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रे. वी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बाबल के वैज्ञानिकों को बधाइ दी है। कुलपति प्रे. काम्बोज ने बताया कि मूगफली की उन्नत किस्म जीएनएच 804 विकसित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिन्हित की गई है। उपरोक्त किस्म तिलहन उत्पादकता वाले राज्यों के

किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होंगी। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार के गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखें। क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बाबल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मवीर यादव ने बताया कि यह पुरस्कार मूगफली की गत्य स्थारीय उन्नत किस्म जीएनएच 804 के अलावा सभ्य विज्ञान में पेपक तत्वों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर सिफारिश करने, मूगफली के अग्रिम परिवर्तन प्रदर्शन लगाने, किसानों व विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस थेट्र में मूगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है।



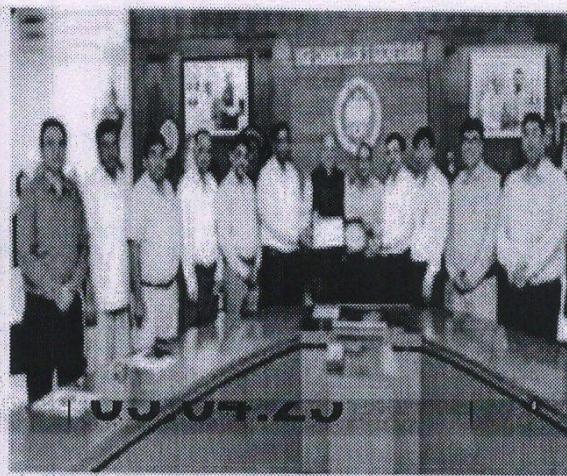
# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	05.04.25	--	--

## हकूमिं के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बाबल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बाबल (रेवाड़ी) को मूँगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वालोटीयर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बाबल के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मूँगफली को ऊत किस्म जीएनएच 804 विकासित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिह्नित की गई है। यह किस्म पैदावार व तेल की मात्रा आधिक देने में भी इसी प्रकार के गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखें। क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बाबल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मवीर यादव ने बताया कि यह पुरस्कार मूँगफली की गान्य स्तरीय ऊत किस्म जीएनएच 804 डॉ. रामावतार उपस्थित थे।



के अलावा सत्य विज्ञान में योगकर्ताओं से सम्बन्धित गृहीय सत्र पर सिफारिश करने, मूँगफली के अग्रिम पर्याप्त प्रदर्शन संग्रह, किसिलों व विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस क्षेत्र में मूँगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है। मूँगफली के लिए किए गए अनुसंधान कार्य में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. रामवीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मवीर यादव, मूँगफली पर कार्य कर रहे वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार ठाहिनवाल, डॉ. अमरजीत व पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजबाज दीह्या ने महत्वपूर्ण योगदान रखा। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव और एसडी डॉ. अनुल दीगढ़ी, एमवीसी कार्पिल अरोड़ा, मौजिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व तिलहन अनुभाग अध्यक्ष के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि भविष्य